आशीः अभय और अभ्युदय

on

20th January 2021

Shri Dhruv Kant Thakur
ADG
Commissioner of Police
Lucknow

Shri Dhruv Kant Thakur
ADG
Commissioner of Police
Lucknow

Years
1920 - 2020
Centennial
Celebrations
University of Lucknow
लखनऊ विश्वविद्यालय
शताब्दी उत्सव

TILAK HALL
University of Lucknow

100 Years
1920 - 2020
University of Lucknow
लखनऊ विश्वविद्यालय
Centennial Celebrations
शताब्दी उत्सव
।। विद्यया प्रकाशस्य वर्धनम् ।।
A century of leading generations to light through learning
Prof. Alok Kumar Rai
Vice Chancellor
University of Lucknow
Shri Dhruv Kant Thakur
ADG
Commissioner of Police
Lucknow
TILAK HALL
University of Lucknow
Organizes
आशीः
Workshop on
अभय और अभ्युदय
For University Girls & Young Women
By
श्री ध्रुव कान्त ठाकुर
Date : 20-01-2021
Time 4:30 P. M.
"Let Undaunted Awakened And Rising Woman Unfold"
आशीः
अभय और अभ्युदय

लविवि में परीक्षा शुल्क भरने की तिथि बढ़ी

लखनऊ। लविवि व सहयुक्त महाविद्यालय के स्नातक कक्षाओं के विषयों में सेमेस्टर पाठ्यक्रमों के नियमित, बैकपेपर, इम्प्रूवमेंट और इक्जेम्प्टेड परीक्षाओं के परीक्षाफार्म ऑनलाइन भरने की अंतिम तिथि 25 जनवरी तक विस्तारित कर दी गयी है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि इन सेमेस्टर कक्षाओं में बीए, बीएससी, बीकाम व प्रबंधकीय यूजी (प्रथम, तृतीय व पंचम सेमेस्टर) और पीजी, प्रबंधकीय पीजी, पीजी डिप्लोमा, विधि (त्रिवर्षीय/आनर्स), डिप्लोमा, बीकाम (आनर्स), बीसीए, एमसीए, बीएससी और एमएससी (एग्रीकल्चर) और अन्य सेमेस्टर पाठ्यक्रमों के नियमित, बैक पेपर/इम्प्रूवमेंट और इक्जेम्प्टेड परीक्षाओं के परीक्षाफार्म शामिल हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के नियमित छात्रों को अपनी प्रवेश आईडी के माध्यम से ऑनलाइन परीक्षाफार्म भरा जाना है, लेकिन परीक्षा शुल्क नही जमा किया जाना है।

पुलिस कार्यप्रणाली से कराया अवगत

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि के तिलक हॉल में बुधवार को पुलिस कमिश्नर ध्रुव कांत ठाकुर ने तिलक हॉल में रहने वाली छात्राओं के साथ इस अनूठी कार्यशाला में अपना व्याख्यान दिया। श्री ठाकुर ने अपनी बात के माध्यम से छात्राओं को महिला सशक्तीकरण को समझने, आंतरिक बनाने और अनुकरण करने

- लविवि के तिलक हाल में डीके ठाकुर ने दिया व्याख्यान

के लिए प्रोत्साहित किया।

श्री ठाकुर ने महिला सुरक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में यूपी पुलिस और यूपी सरकार द्वारा उठाए गए सभी कदमों को सूचीबद्ध करके अपनी बात शुरू की। उन्होंने पिंक बूथ, पिंक स्कूटी और

पिंक बस पहलों के बारे में बात की और सभी को यह भी बताया कि यूपी पुलिस लगातार आपातकालीन लाइनों 112 और 1090 की प्रतिक्रिया समय को कम करने की दिशा में काम कर रही है जो विशेष रूप से महिलाओं को समर्पित हैं। श्री ठाकुर ने लगभग तुरंत अपने व्याख्यान में छात्राओं को प्रश्न पूछने और उनके साथ बातचीत करने के लिए आमंत्रित किया। साथ ही छात्राओं ने पुलिस आयुक्त से सीधे सवाल पूछने का यह मौका नहीं जाने दिया। कई छात्राओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं के लिए सुरक्षा प्रावधानों के बारे में पूछा, या जब एक महिला के पास संचार का कोई साधन नहीं है और कोई खतरा पैदा होता है तो क्या करना है, आदि। श्री ठाकुर ने सभी को सुनिश्चित किया कि यूपी सरकार और साथ ही यूपी पुलिस इन्हीं संकल्प की दिशा में काम कर रही है। श्री ठाकुर ने यह भी कहा कि हमारे समाज में महिलाओं की सुरक्षा के लिए सबसे जरूरी है।

खुद की शक्ति से रूबरू हों महिलाएं, करें अनुकरण

लविवि में छात्राओं से पुलिस कमिश्नर ने किया संवाद व बीबीएयू में 'प्रिवेंटिंग, कांबेटिंग एंड रेस्पोंडिंग टू जेंडर बेस्ड वायलेंस' पर वेबिनार

लखनऊ (एसएनबी)। पुलिस कमिश्नर डी.के. ठाकुर ने लखनऊ विश्वविद्यालय की छात्राओं को महिला सशक्तीकरण को समझने, अनुकरण करने के लिए प्रोत्साहित किया। श्री ठाकुर ने विवि के तिलक हॉस्टल में आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में छात्राओं से महिला सुरक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में यूपी पुलिस एवं यूपी सरकार द्वारा उठाए गए सभी कदमों को सूचीबद्ध करके बात शुरू की।

उन्होंने पिंक बूथ, पिंक स्कूटी और पिंक बस पहली के बारे में बात की और यह भी बताया कि यूपी पुलिस आपातकालीन लाइनों 112 और 1090 की प्रतिक्रिया समय को कम करने की दिशा में काम कर रही है जो विशेष रूप से महिलाओं को समर्पित है। श्री ठाकुर ने व्याख्यान में छात्राओं को प्रश्न पूछने और उनके साथ संवाद के लिए आमंत्रित किया। कई छात्राओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं के लिए सुरक्षा के बारे में पूछा या जब एक महिला के पास संचार का कोई साधन नहीं है और कोई खतरा पैदा होता है तो क्या करना है आदि। श्री ठाकुर ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए जरूरी है समाज की सोच में बदलाव और इसके साथ शुरू होगा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों को जवाबदेह बनाया जा सके।

लविवि में व्याख्यान का दीप जलाकर उद्घाटन करते पुलिस कमिश्नर डी.के. ठाकुर। फोटो : एसएनबी

कार्यक्रम में आईपीएस प्राची सिंह, चीफ प्रोवोस्ट प्रो. नलिनी पांडे और प्रोवोस्ट डा. भुवनेश्वरी भारद्वाज समेत तिलक हॉल की छात्राएं मौजूद रहीं।

महिलाओं को कमतर समझना मानसिक विकृति : प्रो. शीला मिश्रा : महिलाओं को कमतर समझना मानसिक विकृति है और इस विचारधारा से लड़ने के लिए हमें खुद को मानसिक रूप से मजबूत करना होगा। यह बात आज बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के महिलाओं की आधारभूत सुविधा समिति, जेंडर चैंपियन कमिटी, उन्नत भारत अभियान टीम और एनसीसी यूनिट के तत्वावधान में 'प्रिवेंटिंग, कांबेटिंग एंड रेस्पोंडिंग टू जेंडर बेस्ड वायलेंस' विषय पर आयोजित वेबिनार में मुख्य अतिथि लविवि आईसीसी की चेयरपर्सन प्रो. शीला मिश्रा ने कही।

प्रो. शीला मिश्रा ने समाज में लैंगिक संतुलन पर बल देते हुए कहा कि महिलाओं को कमतर समझने की मानसिक विकृति सिर्फ कम पढ़े या कम जागरूक लोगों में ही नहीं बल्कि ऊंचे पायदान पर पहुंच चुके लोगों में भी देखने को मिलती है। हमें इस समस्या की जड़ को समझना होगा तभी हम लैंगिक असमानता और हिंसा को कम कर सकते हैं। उन्होंने लिंग के आधार पर हो रही हिंसा को रोकने के प्रीवेंटिव और क्यूरेटिव मेजर्स पर भी बात की।

विशिष्ट अतिथि डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध यूनिवर्सिटी, अयोध्या की चेयरपर्सन प्रो. तूहीना वर्मा ने लैंगिक भेदभाव को लैंगिक हिंसा का मुख्य कारण बताते हुए कहा कि भारत एक ऐसा देश रहा है जहां महिलाओं को देवी के समान पूजा गया। उन्होंने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, वन स्टॉप सेंटर, वीमेन हेल्पलाइन स्कीम और महिलाएं हट जैसी योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह, वीवीएयू आईक्यूएसी के डायरेक्टर प्रो. डी.पी. सिंह, प्रो. नवीन अरोरा ने कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम की आयोजन सचिव डा. राजश्री द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस रोकेगी छेड़छाड़ की घटनाएं

लखनऊ विश्वविद्यालय के तिलक हॉल में पुलिस कमिश्नर ने की महिला सुरक्षा पर बात

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। राह चलती लड़कियों को छेड़ने वाले शोहदे अब बच नहीं पाएंगे। लड़कियां छेड़खानी की शिकायत कर पाएं इससे पहले ही आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की मदद से पुलिस को इसकी सूचना मिल जाएगी। पुलिस मौके पर पहुंच कर शोहदों से निपट लेगी। पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर ने बुधवार को यह जानकारी दी। वे लखनऊ विश्वविद्यालय के तिलक हॉल में आयोजित कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

कमिश्नर ने बताया कि शहर में 200 ऐसे स्थान चिन्हित किए गए हैं, जहां छेड़छाड़ की घटनाएं ज्यादा होती हैं। इन स्थानों पर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से लैस कैमरे लगाए जाएंगे। जब भी लड़कियों के साथ छेड़खानी होती है, उनके चेहरे की भाव भंगिमा बदल जाती है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस वाले कैमरे इसकी तस्वीर खींचकर पुलिस कंट्रोल रूम भेज देंगे। इसके बाद तुरंत इसे नजदीकी थाने में भेज दिया जाएगा। इस तरह से शोहदों को तुरंत दबोच लिया जाएगा। ठाकुर ने महिला सुरक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में यूपी पुलिस और यूपी सरकार द्वारा उठाए गए सभी कदमों के बारे में बताया। उन्होंने यह भी बताया कि यूपी पुलिस लगातार आपातकालीन लाइनों 112 और 1090 की प्रतिक्रिया समय को कम करने की दिशा में काम कर रही है, जो विशेष रूप से महिलाओं को समर्पित है। कई छात्राओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं के लिए सुरक्षा प्रावधानों के बारे में पूछा।

लविवि में पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर को पेंटिंग भेंट की गई।

ठाकुर ने यह भी कहा कि हमारे समाज में महिलाओं की सुरक्षा के लिए सबसे जरूरी है संपूर्ण समाज की सोच में बदलाव, और कैसे यह बदलाव इसके साथ शुरू होगा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों को तेजी से जवाबदेह बनाया जा सके। इस मौके पर आईपीएस प्राची सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन, चीफ प्रोवोस्ट प्रो. नलिनी पांडेय और प्रोवोस्ट डॉ. भुवनेश्वरी भारद्वाज समेत अन्य के बीच तिलक हॉल में रहने वाली छात्राएं उपस्थित थीं।

लखनऊ में महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनेंगे 100 पिंक बूथ

सेफ सिटी प्रोजेक्ट

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

सेफ सिटी प्रोजेक्ट के तहत देश में 10 शहर चुने गए हैं। इनमें लखनऊ भी है। शहर में 100 पिंक बूथ बनेंगे। 33 बूथ हैंडओवर भी हो चुके हैं। यह जानकारी लखनऊ पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर ने दी।

यह बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के तिलक छात्रावास में कार्यशाला और संवाद में छात्राओं से बात कर रहे थे। कमिश्नर ने बताया कि पिंक बूथ पर महिला पुलिसकर्मी तैनात रहेंगी। इसके अलावा पिंक पेट्रोल और पिंक स्कूटी भी महिला पुलिस कर्मियों को दी जा चुकी है। वे स्कूल, कॉलेज, मॉल, बाजार आदि इलाके में मुस्तैद रहेंगी।

'अभय और अभ्युदय' विषय पर कार्यशाला 'आशी' में उन्होंने कहा कि समाज में महिलाओं के साथ होने वाले अपराध को सामान्य मान लिया जाता है। इसके खिलाफ महिलाओं को आगे आना होगा। उन्होंने बताया कि सभी थानों में महिला हेल्प डेस्क है जहां महिलाएं शिकायत दर्ज करा सकेंगी। डायल 1090, 100, 112 के बारे में भी उन्होंने बताया।

इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर ने छात्राओं के सवालों के जवाब बड़ी बेबाकी से दिए। उन्होंने कहा कि महिला अपराधों को रोकने में पुलिस को सख्ती दिखानी चाहिए। कई छात्राओं ने ग्रामीण महिलाओं के लिए सुरक्षा प्रावधानों के बारे में सवाल उठाए। कमिश्नर डीके ठाकुर ने कहा कि यूपी सरकार और यूपी पुलिस इसी दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए सबसे जरूरी है समाज की सोच में बदलाव। इसके लिए अपराध करने वालों को जागरूक बनाना होगा।

इस अवसर पर आईपीएस प्राची सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन, चीफ प्रोवोस्ट प्रो. नलिनी समेत अन्य मौजूद रहे।

लविवि में कार्यशाला

• एलयू में बुधवार को कार्यशाला में पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर ने छात्राओं से संवाद किया। इस अवसर पर उनको पौधे भी भेंट किया गया।

-पुलिस कमिश्नर से महिला सुरक्षा पर सवाल पूछती लविवि की छात्राएं।

महिला सशक्तीकरण को लेकर कार्यशाला का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के तिलक हॉल में बुधवार को एडीजीए पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर ने आइपीएस प्राची सिंह, डीएसडब्ल्यू लखनऊ विश्वविद्यालय पूनम टंडन, चीफ प्रोवोस्ट प्रो नलिनी पांडे और प्रोवोस्ट डॉ भुवनेश्वरी भारद्वाज समेत अन्य के बीच तिलक हॉल में रहने वाली छात्राओं के साथ इस अनूठी कार्यशाला में अपना व्याख्यान दिया। ठाकुर ने अपनी बात के माध्यम से छात्राओं को महिला सशक्तीकरण को समझने, आंतरिक बनाने और अनुकरण करने के लिए प्रोत्साहित किया।

ठाकुर ने महिला सुरक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में यूपी पुलिस और यूपी सरकार द्वारा उठाए गए सभी कदमों को सूचीबद्ध करके अपनी बात शुरू की। उन्होंने पिंक बूथ, पिंक स्कूटी और पिंक बस पहलों के बारे में बात की और सभी को यह भी बताया कि यूपी पुलिस लगातार आपातकालीन लाइनों 112 और 1090 की प्रतिक्रिया समय को कम करने की दिशा में काम कर रही है जो विशेष रूप से महिलाओं को समर्पित हैं। ठाकुर ने लगभग तुरंत अपने व्याख्यान में छात्राओं को प्रश्न पूछने और उनके साथ बातचीत करने के लिए आमंत्रित किया। कई छात्राओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं के लिए सुरक्षा प्रावधानों के बारे में पूछा।

Smart cams to read expressions of women in distress, alert cops

TIMES NEWS NETWORK

Ajay Kumar

Lucknow police commissioner DK Thakur being presented a memento

Lucknow: Soon, a change in facial expressions of a girl subjected to stalking, threat or eve-teasing will be enough to send an alert to police control room to nab the culprit.

The Lucknow police is set to equip public places with AI-enabled cameras that will click pictures of women in distress on the basis of facial expressions and alert the nearest police station.

Speaking about the 'safe city' initiative during a workshop titled 'Aashish: Abhay aur Abhyudaya' at LU's Tilak hostel on Wednesday, Lucknow police commissioner DK Thakur said: "After collecting feedback, we have identified 200 hotspots where the movement of girls is maximum and from where most of the complaints are received."

"We will set up five AI-based cameras which will be capable of sending an alert to nearest police station. These cameras will become active as soon as the expressions of a woman in distress change. Before she takes out the phone and dials 100 or UP 112 for help, an alert will be reach the police," he added.

"Lucknow is the only city in Uttar Pradesh which has been selected nationally to be developed as a 'safe city' for women," the police commissioner said.

"At least 31 pink booths, 10 patrolling cars and 100 scooties, managed by women cops, are already deployed in the city," he said.

Female hostellers, Tilak hostel provost Bhuvneshwari Bhardwaj, dean, student welfare, Poonam Tandon and other officials were present on the occasion.